सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 7 ● अंक: 316 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 23 दिसम्बर, 2021

मूल्य ₹ 3/-

अगर आप चाहते हैं कि कोई चीज अच्छे से हो तो उसे खुद कीजिये।
-नेपोलियन बोनापार्ट

चाचा-भतीजे की जोड़ी दिखाएगी अपना... 3 | चाहे जितने गठबंधन कर लें, नहीं... 2

हे राम! आपके नाम पर इतनी बड़ी लूट, कहां सोती रही योगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राम मंदिर निर्माण की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही अयोध्या में जमीनों की लूट शुरू हो गयी। इस लूट में मंदिर के ट्रस्टी, नेता, अफसर और उनके रिश्तेदारों के शामिल होने के खुलासे के बाद प्रदेश की योगी सरकार की फजीहत हो गयी है। विपक्ष ने इस मामले को लेकर प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा है और इसकी जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराए जाने की मांग की है।

राम मंदिर निर्माण के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन किया गया था। मंदिर निर्माण के लिए ट्रस्ट ने 70 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया। जैसे ही मंदिर निर्माण की प्रक्रिया शुरू हुई ट्रस्ट पर जमीन घोटाले के आरोप लगे और उस समय भी विपक्षी दलों ने इस मामले को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा था। यह मामला शांत भी नहीं हुआ कि द इंडियन एक्सप्रेस ने ऐसे 14 नामों का खुलासा किया है जिन्होंने मंदिर के पांच किमी के दायरे में ताबड़तोड़ जमीनें खरीदीं। इसमें विधायक, अफसर और उनके रिश्तेदार सभी शामिल हैं। राम के नाम पर जमीनों की हो रही इस लूट के खुलासे के बाद सरकार पर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि प्रदेश सरकार ने आनन-फानन में इसकी जांच के आदेश दिए हैं लेकिन विपक्ष इसकी जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराने की मांग कर रहा है। चुनाव के ठीक पहले अयोध्या में जमीन घोटाले के खुलासे से भाजपा में हड़कंप है और इसका नुकसान उसे उठाना पड़ सकता है। यह सवाल भी उठ रहा है कि जिस समय जमीनों की लूट हो रही थी प्रदेश सरकार कहां सोई थी?

» अयोध्या में जमीन घोटाले पर योगी सरकार की फजीहत, विपक्ष हमलावर

» कांग्रेस, बसपा, आप समेत विभिन्न विपक्षी दलों ने भाजपा पर साधा निशाना

» नेता, अफसर व उनके रिश्तेदारों ने मंदिर के पांच किमी दायरे में खरीदीं जमीनें

» सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जमीन खरीद धांधली की जांच कराने की मांग

सांध्य दैनिक 4PM एक्सक्लूसिव

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

क्या है मामला

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने फरवरी 2020 में मंदिर निर्माण के लिए जमीन खरीदनी शुरू की। इसके लिए 70 एकड़ जमीन का अधिग्रहण शुरू हुआ और इस परियोजना ने रफ्तार पकड़ी। इसके साथ ही सरकारी अधिकारी, स्थानीय विधायक, नौकरशाहों के करीबी रिश्तेदार और स्थानीय राजस्व अधिकारी ने यहां खूब जमीनें खरीदीं। विधायक, महापौर, और राज्य ओबीसी आयोग के सदस्य ने अपने नाम पर जमीनें खरीदीं। वहीं संभागीय आयुक्त, उप-मंडल मजिस्ट्रेट, पुलिस उप महानिरीक्षक, सीओ, राज्य सूचना आयुक्त के रिश्तेदारों के नाम पर भी जमीनें खरीदी गईं। ऐसे 14 मामलों का खुलासा द इंडियन एक्सप्रेस ने नामों के साथ किया है। ये सारी जमीनें राम मंदिर के पांच किमी दायरे में खरीदी गयीं।

अयोध्या में हड़पी गयीं जमीनें, हो उच्चस्तरीय जांच : प्रियंका

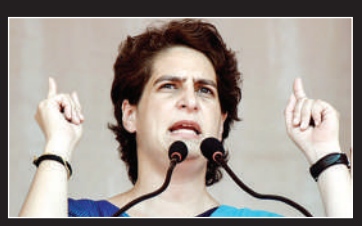

नई दिल्ली। अयोध्या में जमीन की खरीद-फरोख्त मामले में यूपी कांग्रेस की प्रभारी प्रियंका गांधी ने कहा कि अयोध्या में जमीन घोटाला हुआ। देश के लगभग हर घर से लोगों ने राम मंदिर ट्रस्ट को चंदा दिया लेकिन लोगों की आस्था से खिलवाड़ किया जा रहा है। दलितों की जमीन के टुकड़े, जिन्हें खरीदा नहीं जा सकता था, हड़प लिया गया। उन्होंने दावा किया कि जमीन के कुछ टुकड़े कम मूल्य के थे लेकिन ट्रस्ट को बहुत अधिक कीमत पर बेचे गए थे। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार ने कहा है कि वह जांच कराएगी लेकिन यह जांच जिलाधिकारी स्तर का अधिकारी करेगा। उन्होंने पूछा, जिस मामले में मेयर विटनेस हों, वहां कैसे सही जांच हो सकती है। जब ट्रस्ट का गठन सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हुआ है तो इस मामले में भी सुप्रीम कोर्ट या उसके स्तर की जांच कराई जाए। प्रियंका ने आरोप लगाया कि भगवान राम के मंदिर के नाम पर लिए गए चंदे का इस्तेमाल भाजपा और आरएसएस के नेताओं, कार्यकर्ताओं और अधिकारियों को फायदा पहुंचाने के लिए किया गया। उन्होंने दावा किया कि भाजपाई मेयर के भतीजे ने एक जमीन बीस लाख में खरीदी और ढाई करोड़ में ट्रस्ट को बेच दी। इस तरह राम मंदिर के नाम पर मिले चंदे की चोरी की गई।

दखल दे सुप्रीम कोर्ट : मायावती

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि अयोध्या में बन रहे राम मंदिर के आस-पास की जमीन खरीद के घोटाले में बड़े लोगों का नाम आना गंभीर मामला है। अब तो इस मामले में उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। बेहतर होगा कि इस प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट दखल दे। सुप्रीम कोर्ट को केन्द्र तथा राज्य सरकार को इस मुद्दे को गंभीरता से लेने के लिए निर्देश देने चाहिए। रिटायर्ड जजों की कमेटी बनाकर जांच कराई जानी चाहिए अगर गड़बड़ियां मिलती है तो सरकार को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए।

जांच के आदेश

लखनऊ। अयोध्या में राम मंदिर के पांच किमी के दायरे में विधायक, महापौर और पुलिस-प्रशासन के कई अधिकारियों व कर्मचारियों के रिश्तेदारों के नाम पर जमीनें खरीदने के मामले की जांच के आदेश प्रदेश की योगी सरकार ने दिए हैं। मुख्यमंत्री ने अपर मुख्य सचिव राजस्व मनोज कुमार सिंह को जांच कराने का आदेश दिया है। अपर मुख्य सचिव राजस्व ने विशेष सचिव राजस्व राधेश्याम मिश्रा को मामले की जांच कर पांच दिन में रिपोर्ट देने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो जांच: संजय सिंह

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी और सांसद संजय सिंह ने अयोध्या में जमीन खरीद के आरोपों को लेकर फिर योगी सरकार पर निशाना साधा है। संजय सिंह ने सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में इस मामले की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने ट्वीट किया, जिस जमीन की जालसाजी में भाजपा के विधायक, मेयर, कमिश्नर, डीआईजी, डीएम, एडीएम, एसडीएम सब शामिल हैं, उसकी जांच आदित्यनाथ जी के अधिकारी नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में एसआईटी गठित करके जांच कराई जाए और जालसाजों को जेल में डाला जाए।

चाहे जितने गठबंधन कर लें, नहीं बनने वाली उनकी सरकार: केशव

» बांदा में केशव प्रसाद मौर्य ने सपा पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मुलायम सिंह के सल्तनत के अखिलेश आखिरी सुल्तान हैं। 2022 में तो दाल गलनी नहीं है। 2027 में भी चाहे जितने गठबंधन कर लें सरकार नहीं बनने वाली। भाजपा सरकार में बुंदेलखंड के लिए खजाना खुला है। जितना विकास भाजपा ने कराया है, उतना 75 वर्षों में किसी ने नहीं कराया। बांदा में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जन विश्वास रैली में कहा कि विरोधियों को यह संदेश चला जाए कि बुंदेलखंड भाजपा का था, भाजपा का है और भाजपा का रहेगा।

सपा, बसपा व कांग्रेस वाले सोचते थे कि मोदी को प्रधानमंत्री नहीं बनने देंगे पर मोदी को कोई नहीं रोक सकता। सपा, बसपा व कांग्रेस वाले एक हो गए, फिर भी मोदी को नहीं रोक पाए। 2022 में भी कमल का फूल खिलेगा। बुंदेलखंड ही नहीं उत्तर प्रदेश में भी 2017 की तरह 300 सीट जीतेंगे। लोगों ने पहले के चुनाव में देखा है। 2022 में देखना जनता का ऐसा आशीर्वाद है कि 2022 में भी 100 में 60 प्रतिशत वोट हमारा होगा। 40 में बंटवारा है, उसमें भी हमारा बंटवारा है। बसपा, कांग्रेस व सपा। पहले जो योजनाएं बनती थीं, उसे लूटने का काम होता था। सपा-बसपा सरकार में जो सड़क छाप थे और साइकिल से चलते थे वह फार्च्यूनर से चलने लगे। पहले दिल्ली से 100 रुपये भेजते थे, लाभार्थियों तक केवल 15 रुपये पहुंचता है। 85 प्रतिशत कहां जाता था। ये सपा, बसपा, कांग्रेस की जेबों में जाता था। उनकी तिजोरियों में जाता था। मोदी ने ऐसी व्यवस्था कर दी कि चाहे 100 रुपये भेजे या एक लाख रुपये पूरा पैसा लाभार्थी को मिलता है। उन्होंने कहा सोच ईमानदार, काम दमदार तर्ज पर भाजपा ईमानदारी से काम करती है। इस दौरान उन्होंने भाजपा, सपा और कांग्रेस पर जमकर तंज कसा। कहा कि अखिलेश पिछड़े वर्ग के लोगों को मुख्यमंत्री बनाने की बात करें तो हम जानें। उन्होंने कहा कि काशी-अयोध्या की तरह चित्रकूट का भी विकास होना चाहिए। यदि आप चाहते हैं तो 2022 में फिर भाजपा की सरकार बनवाई।

2024 तक सबके पास पक्का मकान

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस का कोई भी कार्यकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष या प्रदेश अध्यक्ष नहीं बन सकता लेकिन भाजपा में यहां बैठे पार्टी के कार्यकर्ता भी कल का स्वतंत्र देव सिंह बन सकते हैं। उन्होंने जनता से वादा किया कि वर्ष 2024 तक सभी के पास पक्का मकान होगा। हर घर तक स्वच्छ पानी पहुंचेगा।

प्रदेश को मजबूत करने के लिए योगी और मोदी जरूरी : स्वतंत्र देव

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि लक्ष्मी न तो हाथी पर बैठकर आती है और न साइकिल-पंजे पर। लक्ष्मी तो कमल के फूल पर बैठकर आती है। उत्तर प्रदेश को मजबूत करना है तो योगी और मोदी जरूरी है। पूर्व की सरकारों में बिजली के तारों में करंट नहीं आता था। जब बिजली का बिल आता था तब लोगों को झटका लगता था। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि तब हमने नारा दिया था न भ्रष्टाचार न गुंडाराज। आपने हमे पूर्ण बहुमत दिया। उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई एक पैसे के घोटाले का आरोप नहीं लग सकता। प्रदेश अध्यक्ष ने सपा मुखिया के योगी जी अनुपयोगी हैं के बयान पर कहा कि माफिया मुख्तार को सलाखों के पीछे भेजना, आजम खां को जेल में बंद करना क्या अनुपयोगी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पांच लाख नियुक्तियां हुईं हैं, इनमें एक पैसे का भ्रष्टाचार सामने नहीं आया। पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ की जा रही है। इस दौरान उन्होंने सरकार की योजनाओं का बखान किया।

बहुत हो गया, नया साल नया रास्ता: हरीश रावत

» कांग्रेस के अपनों ने ही उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अगले कुछ ही महीने में उत्तराखंड में चुनाव होने वाले हैं और ऐसे में अमूमन हर सर्वे में कांग्रेस के सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री के तौर पर सामने आने वाले हरीश रावत के कुछ ऐसे ट्वीट सामने आए हैं जो हाईकमांड से उनकी नाराजगी दिखाते हैं। उन्होंने अपने ट्वीट में अप्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस आलाकमान के रवैये पर अंगुली उठाते हुए कुछ ऐसा भी लिख दिया है जिसे कुछ लोग उनके रिटायरमेंट से जोड़कर देख रहे हैं।

हरीश रावत ने ट्वीट कर लिखा है न अजीब सी बात, चुनाव रूपी समुद्र को तैरना है, सहयोग के लिए संगठन का ढांचा अधिकांश स्थानों पर सहयोग का हाथ आगे बढ़ाने के बजाय या तो मुंह फेर करके खड़ा हो जा रहा है या नकारात्मक भूमिका निभा रहा है। जिस समुद्र में तैरना है, सत्ता ने वहां कई मगरमच्छ छोड़ रखे हैं। जिनके आदेश पर तैरना है, उनके नुमाइंदे मेरे हाथ-पांव बांध रहे हैं। मन में बहुत बार विचार आ रहा है कि हरीश रावत अब बहुत हो गया, बहुत तैर लिए, अब विश्राम का समय है। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में लिखा फिर चुपके से मन के एक कोने से आवाज उठ रही है। न दैन्यं न पलायन। बड़ी उहापोह की स्थिति में हूं, नया वर्ष शायद रास्ता दिखा दे। मुझे विश्वास है कि भगवान केदारनाथ इस स्थिति में मेरा मार्गदर्शन करेंगे। फिलहाल संगठन सूत्रों का कहना है कि हरीश रावत की कोई नाराजगी है। कोई बात है तो जल्द ही उच्च नेतृत्व उनसे सलाह मशविरा करेगा।

यूपी की सभी सीटों पर अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी लोजपा

» चिराग पासवान ने दिल्ली में किया ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोक जनशक्ति पार्टी (आर) उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी। पार्टी यह चुनाव अकेले दम पर लड़ेगी। यह घोषणा लोजपा अध्यक्ष (आर) चिराग पासवान ने की। उन्होंने कहा कि हम उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में किसी भी दल से कोई गठबंधन नहीं करेंगे।

लोक जनशक्ति पार्टी की ओर से इस बारे में ट्वीट कर कहा गया है कि कल उत्तर प्रदेश चुनाव को लेकर हुई बैठक में लोजपा यूपी के प्रदेश अध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्य, जिला अध्यक्ष व कार्यकर्ता साथियों ने अपने-अपने सुझाव रखे। इन सुझावों के मद्देनजर लोजपा केंद्रीय नेतृत्व में आगामी उप्र चुनावों में अकेले लड़ने का फैसला लिया गया है। बता दें कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अगले वर्ष होने वाले हैं। इसको लेकर सभी पार्टियां अपनी जमीन तैयार करने में जुटी हुई हैं। इसी बीच लोजपा अध्यक्ष चिराग पासवान ने भी इस चुनाव में उतरने का ऐलान कर दिया है।

सलमान खुर्शीद पर दर्ज होगा मुकदमा

लखनऊ। पूर्व केंद्रीय मंत्री व कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद के खिलाफ हिंदू धर्म व हिंदुत्व की तुलना आतंकी संगठन बोको हरम व आईएसआईएस से करने के मामले में मुकदमा दर्ज किया जाएगा। एसीजेएम शांतनु त्यागी ने यह आदेश थाना प्रभारी बख्शी का तालाब को दिया कि वह तीन दिन में रिपोर्ट की कॉपी कोर्ट भेजने के साथ मामले की विवेचना करें। इससे पूर्व बीकेटी निवासी व वादिनी शुभांशी तिवारी ने खुर्शीद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने की मांग वाली अर्जी देकर कोर्ट को बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री की पुस्तक 'सनराइज ओवर अयोध्या' में कुछ अंश अत्यंत विवादास्पद व हिंदू धर्म पर कुठाराघात करने वाले हैं।

चुनाव में मोर्चा संभालेंगी मुस्लिम महिलाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) से जुड़ी महिलाएं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पक्ष में सीधे मोर्चा संभालेंगी। मुस्लिम समाज के लोगों को मुख्य धारा में लाने के केंद्र में नरेंद्र मोदी व राज्य में आदित्यनाथ सरकार द्वारा बिना पक्षपात के सबके विकास वाली योजनाओं का जिक्र करते हुए उनसे भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की जाएगी।

हरियाणा भवन में एमआरएम के मार्गदर्शक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार की अध्यक्षता में महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में उत्तर प्रदेश समेत अगले वर्ष सात राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर व्यापक रणनीति बनी। उत्तर प्रदेश के मतदाताओं में अल्पसंख्यक समाज की हिस्सेदारी तकरीबन 20 प्रतिशत है। एमआरएम पदाधिकारियों के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी के प्रति मुस्लिम महिलाओं का स्नेह जगजाहिर है। पिछले विधानसभा चुनाव 2017 में महिलाओं ने पुरुषों के मुकाबले चार प्रतिशत अधिक मतदान किया था। उसमें भी मुस्लिम महिलाएं आगे थीं। एमआरएम महिला विंग की संयोजिका शालिनी अली ने कहा कि योगी सरकार की मंशा एक हाथ में कुरान और दूसरे हाथ में कंप्यूटर की है। इससे सबको अवगत कराया जाएगा।

चुनाव से पहले हल हो आरक्षण का मुद्दा: संजय निषाद

» बीजेपी पर साधा निशाना, कहा रैली में मायूस हुए कार्यकर्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी ने निषाद पार्टी के साथ लखनऊ में 17 दिसंबर को संयुक्त रैली की थी। इस रैली में केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद मौजूद रहे थे। बीजेपी-निषाद पार्टी की संयुक्त रैली में निषादों को आरक्षण न देने की घोषणा से लाखों कार्यकर्ता मासूस हो गए हैं। इस बीच पार्टी अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने निषाद आरक्षण को लेकर भारत सरकार के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त को चिट्ठी लिखा है।

संजय निषाद ने कहा कि जो रैली में हुआ वो नहीं होना चाहिए था, क्योंकि लोग बड़ी उम्मीद के साथ लोग रैली में आए थे। सदियों से इनकी मांग है, संविधान में मझवार और तुरैया लिखा है। वहीं पिछली सरकारों ने गोलमाल करके उनके सरनेम को पिछड़े में डाल दिया था। संजय निषाद ने आगे कहा, निषाद समाज आरक्षण को लेकर घोषणा चाहते थे, लेकिन लाखों की संख्या में कार्यकर्ताओं को मायूस होना पड़ा। उन्होंने कहा यूपी चुनाव से पहले मुद्दा हल हो जाना चाहिए। दरअसल, 1961 में जनगणना के लिए केंद्र सरकार ने एक मैनुअल सभी राज्य सरकारों को भेजा था, जिसमें कहा गया था कि केवट, मल्लाह जाति को मझवार में गिना जाए। इस संबंध में केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को कुछ जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने की अधिसूचना भेजी थी। ऐसे में पिछले 70 सालों में निषादों को कभी एससी में शामिल किया गया, तो कभी पिछड़ा वर्ग में गिना गया।

लड़ने के लिए मांगी दो दर्जन सीटें

संजय निषाद ने कहा कि 2022 चुनाव में हमारी पार्टी को दो दर्जन सीटें हमें लड़ने के लिए चाहिए। बता दें कि उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में निषाद समाज ओबीसी की श्रेणी में आते हैं जबकि दिल्ली और दूसरे राज्य में अनुसूचित जाति में शामिल हैं। ऐसे में लंबे समय से निषाद समाज को अनुसूचित जाति की श्रेणी में शामिल कराने की मांग उठ रही है।

चाचा-भतीजे की जोड़ी दिखाएगी अपना कमाल

चुनाव से पहले अखिलेश और मजबूत

» दोनों साथ मिलकर लड़े तो 60 विधानसभा सीटों पर पड़ सकता है असर

» क्षेत्रीय दलों को साथ लेने की नीति सपा को निरंतर कर रही मजबूत

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। चुनाव से पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव और मजबूत हो गए हैं। क्षेत्रीय दलों को साथ लेने की नीति सपा को निरंतर मजबूत कर रही है और सपा और अन्य सहयोगियों को जीत की ओर ले जा सकती है। 2017 चुनाव से पहले सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और शिवपाल के बीच मनमुटाव हो गया था, जिसके बाद दोनों में दूरियां बढ़ती चली गईं।

करीब छह साल बाद फिर से शिवपाल यादव और अखिलेश यादव साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे। सपा के सूत्र बताते हैं कि एटा, मैनपुरी व इटावा की सभी सीटें अखिलेश के खाते में आएंगी। यहां के दस जिलों के आसपास भाजपा का सूपड़ा साफ हो जाएगा। शिवपाल यादव पश्चिम, अवध और बुंदेलखंड के करीब 10 जिलों की 60 से 70 सीटों पर असर रखते हैं। इसके पीछे वजह ये है कि उनका अभी भी सहकारी समितियों पर कब्जा है। साथ ही वह अपने कोर वोट बैंक यादव को भी सहेज कर चल रहे हैं। उनकी पकड़ यूपी के नौ फीसदी यादव वोट बैंक पर है।

फाइल फोटो

2017 में सपा को मिले थे 22 फीसदी वोट

चुनावी आंकड़ों के नजरिए से देखे तो शिवपाल यादव मैदान में कहीं भी नहीं टिकते हैं। सपा से अलग होकर 2019 में लोक सभा चुनाव में अपनी पार्टी प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के चुनाव चिह्न पर उतरे शिवपाल यादव ने यूपी की 47 लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे। खुद फिरोजाबाद से चुनाव लड़े। इस लड़ाई में रामगोपाल यादव के बेटे अक्षय यादव हार गए और भाजपा के कैंडिडेट जीत गए। लोक सभा चुनाव में शिवपाल यादव की पार्टी को सिर्फ 0.3 फीसदी वोट मिले। हालांकि ज्यादातर जगहों पर शिवपाल ने सपा को नुकसान पहुंचाया। 2017 में जसवंतनगर विधान सभा सीट से जीते शिवपाल यादव को 63 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे। सपा 2017 में 311 सीट पर चुनाव लड़ी थी। तब उसे 22 फीसदी वोट मिले थे।

आशीर्वाद है, अखिलेश बनें सीएम

आगामी चुनाव को लेकर शिवपाल यादव ने कहा मैं चाहता हूं कि अखिलेश मुख्यमंत्री बनें। मैंने ही उन्हें ट्रेनिंग दी है, लेकिन अब वे परफेक्ट हो गए हैं। शिवपाल ने माना कि उनके और अखिलेश के दिल मिल गए और दोनों के बीच की दूरी भी घट गई है। शिवपाल यादव ने कहा अभी बैठकें होंगी। चुनाव के ऐलान के बाद हम मिलकर बात करेंगे। सीटों के बंटवारे को लेकर कोई अड़ंगा बीच में नहीं आएगा।

अखिलेश का नया नारा प्रदेश को योगी नहीं योग्य सरकार चाहिए

यूपी चुनाव से पहले विजय यात्रा में लाखों की भीड़ देख सपा प्रमुख अखिलेश यादव उत्साहित हैं। इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एक बार फिर भाजपा पर जमकर बरसे। किसान, युवा, महिलाओं सभी की समस्याओं की बात करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में बुल्डोजर वाली सरकार नहीं चाहिए। यह भी कहा कि भाजपा प्रदेश में टॉप टेन माफियाओं की सूची जारी करे, इसमें भाजपाइयों और उनका संरक्षण पाए हुए लोगों के नाम होंगे। नारा दिया कि उत्तर प्रदेश को योगी नहीं, योग्य सरकार चाहिए। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश को पीछे ले जाने का काम किया है। महंगाई बढ़ाई, रोजगार नहीं दिए। नौकरी रोजगार के विज्ञापनों के बड़े-बड़े होर्डिंग लखनऊ से दिल्ली तक लगे हैं, लेकिन नौकरी, रोजगार किसी को नहीं मिले।

चाचा के साथ आने से अखिलेश खुश

अखिलेश यादव आजकल खुश है। उन्होंने कहा ओमप्रकाश राजभर, चाचा भी संग आ गए हैं। जबसे सब साथ आ गए हैं तब से बीजेपी घबराई हुई है। आयकर, ईडी और सीबीआई की टीम भी आएगी लेकिन समाजवादी लोग घबराते नहीं है।

अखिलेश ही सपा के नए नेता

प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल यादव ने कहा कि उन्होंने मान लिया है कि अखिलेश यादव ही सपा के नए नेताजी हैं। इतना ही नहीं, शिवपाल यादव ने बताया कि उत्तर प्रदेश में विधान सभा चुनाव के ऐलान के बाद ही सपा और प्रसपा के बीच सीटों का बंटवारा तय हो जाएगा। हालांकि वे बस ये चाहते हैं कि उनकी पार्टी के जीतने वाले उम्मीदवारों को टिकट मिल जाए। दरअसल, 2018 में शिवपाल यादव ने अखिलेश यादव से मनमुटाव के बाद सपा से अलग होकर नई राजनीतिक पार्टी प्रसपा का गठन किया था। शिवपाल इससे पहले मुलायम सिंह यादव को ही सपा का नेताजी बताते रहे हैं।

सपा प्रमुख का हर फैसला मानने को तैयार

शिवपाल यादव ने कहा, हमने पुरानी बातों को खत्म कर दिया गया। हमने सपा में 40-45 साल काम किया है। बहुत से आंदोलन हुए हैं। कई लोग इसमें शहीद भी हुए हैं। फैसले लिए जाते हैं, पार्टी को आगे बढ़ाना है, तो त्याग और संघर्ष करने पड़ते हैं। मेरे अंदर कोई मलाल नहीं है। बस सिर्फ हम अपनी बात रख देंगे। सलाह दे देंगे। फैसला अखिलेश जो भी लेंगे, हम मानने के लिए तैयार हैं।

अब गन्ना किसानों को पाले में लाने की कवायद में जुटी भाजपा

गन्ना के न्यूनतम समर्थन मूल्य में नाम मात्र की बढ़ोतरी से नाराज हैं किसान

प्रदेश सरकार किसानों को दे सकती है बोनस

कृषि कानूनों को लेकर चलाया था आंदोलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आगामी विधान सभा चुनाव से पहले प्रदेश की योगी सरकार सभी कील-कांटे दुरुस्त करने की कवायद में जुटी है। भाजपा सरकार नाराज किसानों को फिर से अपने पाले में लाने की जुगत लगा रही है। शीर्ष नेतृत्व के साथ भाजपा के नेता और पदाधिकारी भी किसानों को मनाने में जुटे हैं। यही वजह है कि जल्द ही प्रदेश सरकार गन्ना किसानों को बोनस दे सकती है।

प्रदेश सरकार करीब 50 लाख गन्ना किसानों को साधने की तैयारी में है। योगी सरकार गन्ना किसानों को 10 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दे सकती है। माना जा रहा है कि चुनाव आचार संहिता लागू होने से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसकी घोषणा कर सकते हैं। गौरतलब है कि इसी साल सरकार ने गन्ने के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 25 रुपये प्रति क्विंटल का इजाफा किया था। हालांकि चार साल बाद महज 25 रुपये की बढ़ोत्तरी से किसान नाखुश थे। इसके अलावा कृषि कानूनों को लेकर भी किसानों में सरकार के प्रति काफी गुस्सा दिखा था। हालांकि केंद्र सरकार द्वारा कानूनों को वापस लेने के बाद हालात बदल रहे हैं। फिर भी शीर्ष नेताओं को चिंता है कि अभी भी किसानों में गुस्सा है और यदि वे नाराज रहे तो इसका खामियाजा यूपी चुनाव में उठाना पड़ेगा। पिछले चुनाव में किसानों ने भाजपा को जमकर वोट दिया था लिहाजा प्रदेश में उसकी प्रचंड बहुमत से सरकार बनी थी। यही वजह है कि भाजपा की नजर किसानों पर लगी हुई।

किसानों के मुद्दे पर विपक्ष भाजपा पर हमलावर

सपा प्रमुख अखिलेश यादव किसानों के मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार पर लगातार हमलावर है। उनका कहना है कि भाजपा के शासन में किसानों की हालत खराब हो गई है। उनको खाद नहीं मिल रही है। किसानों को फसल का सही दाम नहीं मिल रहा है। भाजपा किसानों की आय दोगुनी करने का वादा कर सत्ता में आयी थी लेकिन किसानों की आय आज तक दोगुनी नहीं हुई।

वरुण गांधी भी उठा चुके हैं सवाल

पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी भी गन्ना किसानों को 400 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी देने की मांग कर चुके हैं। सांसद वरुण गांधी ने ट्वीटर के माध्यम से लिखे अपने पत्र में कहा था कि प्रदेश सरकार ने गन्ना मूल्य बढ़ाकर 350 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया, इसके लिए धन्यवाद, लेकिन इस पर फिर से विचार करने की जरूरत है। उन्होंने गन्ना मूल्य कम से कम 400 रुपए प्रति क्विंटल करने की मांग की है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ऐसा नहीं हो पाता तो 50 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस घोषित रेट के ऊपर अलग से दें।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

ओमिक्रॉन का खतरा पाबंदियों की वापसी

नए साल के आगाज से पहले एक बार फिर कोरोना ने खतरे की घंटी बजा दी है। कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन की बढ़ती रफ्तार को देखकर केंद्र और राज्य सरकारें बेहद चिंतित हैं और एक बार फिर पाबंदियों की वापसी होती दिखने लगी है। केंद्र ने राज्य सरकारों को न केवल वार रूम तैयार रखने बल्कि नाइट कर्फ्यू लगाने पर विचार करने को भी कहा है। वहीं दिल्ली सरकार ने सार्वजनिक स्थलों पर होने वाले कार्यक्रमों पर रोक लगा दी है। लिहाजा अब दिल्ली में सार्वजनिक स्थलों पर क्रिसमस और न्यू ईयर पार्टी का आयोजन नहीं हो सकेगा। सवाल यह है कि क्या देश में कोरोना की तीसरी लहर की आहट सुनाई देने लगी है? क्या पाबंदियां एक बार फिर देश की अर्थव्यवस्था को घुटनों पर नहीं ला देंगी? क्या कोरोना प्रोटोकॉल के उल्लंघन के कारण हालात बिगड़ रहे हैं? टीकाकरण की रफ्तार को बढ़ाया क्यों नहीं जा रहा है? बच्चों को वैक्सीन लगाने की प्रक्रिया कब शुरू होगी? क्या बच्चों को एक बार फिर घरों में कैद कर दिया जाएगा? क्या तीसरी लहर से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने जरूरी कदम उठाए हैं?

पिछले दो सालों से कोरोना ने पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले रखा है। यह लगातार अपना रूप बदल रहा है। अब नया वेरिएंट लोगों को डराने लगा है। भारत में भी इस नए ओमिक्रॉन वेरिएंट ने 14 राज्यों में दस्तक दे दी है। महाराष्ट्र और दिल्ली में यह तेजी से बढ़ रहा है। अब तक सवा दो सौ से अधिक लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। वहीं कोरोना की रफ्तार भी बढ़ रही है। कई राज्यों में इसके केसों में फिर से इजाफा हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि ओमिक्रॉन का संक्रमण दूसरी लहर के लिए जिम्मेदार डेल्टा वेरिएंट से कई गुना अधिक तेजी से होता है। विशेषज्ञों ने तीसरी लहर की आशंका जतानी शुरू कर दी है। इसके बावजूद न राज्य सरकारें और न ही जनता गंभीर दिखायी पड़ रही है। तमाम हिदायतों के बावजूद लोग अभी भी कोरोना प्रोटोकॉल का पालन नहीं कर रहे हैं। वे सार्वजनिक स्थलों पर मास्क और सोशल डिस्टेसिंग का पालन नहीं करते हैं। माना जा रहा है कि कोरोना के फिर से बढ़ने के पीछे यही लापरवाही मुख्य वजह है। अब जब संक्रमण तेजी से बढ़ने लगा है तो राज्य सरकारों ने पाबंदियां लगानी शुरू कर दी हैं। यदि सरकार कोरोना की रफ्तार पर लगाम लगाना चाहती है तो उसे न केवल कोरोना प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन कराना सुनिश्चित करना होगा बल्कि सभी को जल्द से जल्द वैक्सीन का सुरक्षा चक्र भी उपलब्ध करना होगा अन्यथा महामारी को संभालना मुश्किल हो जाएगा। एक और लॉकडाउन पूरे देश की अर्थव्यवस्था को चौपट कर देगा।

“ अब जब संक्रमण तेजी से बढ़ने लगा है तो राज्य सरकारों ने पाबंदियां लगानी शुरू कर दी हैं। यदि सरकार कोरोना की रफ्तार पर लगाम लगाना चाहती है तो उसे न केवल कोरोना प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन कराना सुनिश्चित करना होगा बल्कि सभी को जल्द से जल्द वैक्सीन का सुरक्षा चक्र भी उपलब्ध कराना होगा अन्यथा महामारी को संभालना मुश्किल हो जाएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

प्रतिभाओं की घर वापसी से भी समृद्ध देश

दिनेश सी. शर्मा

कुछ दशकों पहले, आईआईटी मद्रास के पूर्व निदेशक पीवी इंद्रेसन ने चुटकी लेते हुए कहा था, जैसे ही कोई छात्र आईआईटी में दाखिला लेता है, पहले उसकी आत्मा अमेरिका में बस जाती है और फिर स्नातक होने के बाद शरीर भी पहुंच जाता है। इस अवस्था को 1960 में 'ब्रेन-ड्रेन' कहा जाता था। हाल में ट्विटर नामक सोशल मीडिया प्लेटफार्म के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद पर आईआईटी बॉम्बे के पूर्व छात्र पराग अग्रवाल की हुई नियुक्ति से पुन: 'ब्रेन-ड्रेन' पर बात चल निकली और यह भी कि भारत के चोटी के संस्थानों से प्रतिभा-निर्यात आज भी अमेरिका को जारी है।

भारतीय वैज्ञानिकों के प्रति अमेरिका की आसक्ति नई नहीं है। इसका इतिहास 19वीं सदी के आखिर से है, जब मैसाच्युसेट्स इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी स्थापित हुआ था। तब से ही इसने भारत के तत्कालीन राष्ट्रवादी नेताओं और उद्योगपतियों का ध्यान अपनी ओर खींचना शुरू कर दिया था। हालांकि, भारतीयों में अधिसंख्य विद्यार्थी उच्च शिक्षा एवं तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए ब्रिटेन का ही रुख करते थे, वहीं राष्ट्रवादी छात्रों ने उद्योग-नीत तकनीकी शिक्षा पाने में एमआईटी वाला विकल्प चुनना पसंद किया था। बाल गंगाधर तिलक द्वारा संपादित अखबारों में भारतीयों में तकनीकी शिक्षा और औद्योगिकीकरण का आह्वान करते लेखों में एमआईटी को बतौर आदर्श तकनीकी संस्थान पेश किया जाता था। मार्च, 1946 में नलिनी रंजन सरकार समिति की रिपोर्ट में भी औपचारिक रूप से एमआईटी को उच्च तकनीकी शिक्षा प्राप्ति हेतु बतौर आदर्श संस्थान प्रस्तावित किया गया था। हालांकि इस समिति का यह खाका आगे चलकर भारत में आईआईटी की स्थापना का आधार बना था, लेकिन 1950 के दशक में खड़गपुर, बॉम्बे और मद्रास की आईआईटी के बनने में एमआईटी का परोक्ष सहयोग अभी तक नहीं था। तथापि इन सभी संस्थानों के आरंभिक सालों में अन्य देशों से पढ़ाने आए अध्यापक थे। यह आईआईटी कानपुर थी, जिसकी स्थापना में सीधे तौर पर एमआईटी नीत अमेरिकी संस्थानों की मिलीजुली भागीदारी थी।

कानपुर में दर्जनों अमेरिकी प्रोफेसर पढ़ाया करते थे, बड़े उपकरण जैसे कि मेनफ्रेम कम्प्यूटर और छोटे हवाई जहाज अमेरिका से लाए गए थे और छात्रों को 10 वर्षीय 'कानपुर भारत-अमेरिका परियोजना' के तहत पढ़ने को अमेरिकी विज्ञान पत्रिकाएं मिलती थीं। इन तमाम कारकों के

कारण अप्रवास और ब्रेन-ड्रेन की पहली लहर बनी थी। भले ही भारतीय वैज्ञानिक प्रतिष्ठान और नीति-निर्माता ब्रेन-ड्रेन को लेकर चिंतित थे, लेकिन बहुत से मेधावी भारतीयों ने वतन वापसी कर नए काम-धंधे स्थापित करने शुरू किए। एमआईटी से पढ़कर लौटे ललित कनोडिया ने एमआईटी के अपने सहपाठियों नितिन पटेल और अशोक मल्होत्रा के साथ मिलकर टाटा के लिए 1996 में कम्प्यूटर सेंटर बनाने की प्रोजेक्ट रिपोर्ट लिखी थी, जिसने आगे चलकर टाटा कंसल्टेंसी सर्विस का रूप लिया। आईआईटी के एक अन्य स्नातक और एमआईटी से इंजीनियरिंग एवं प्रबंधन की डिग्री लेने वाले नरेंद्र पाटनी ने भारत में कृषि डाटा के क्षेत्र में अच्छा व्यावसायिक मौका भांपकर जो इकाई बनाई थी, उसने आउटसोर्सिंग के विचार को जन्म दिया था। इसी तरह आईआईटी कानपुर के स्नातक प्रभु पटेल ने 1980 के मध्य में नोएडा में चिप-डिजाइन कंपनी की शाखा खोली थी। जब अमेरिका में गोयल की कंपनी का अधिग्रहण हो गया तो नोएडा वाली यही इकाई कार्डेंस नामक कंपनी का अंग बनी। यह कंपनी स्वदेश में सिलिकॉन चिप डिजाइन का आगाज बनी। वर्ष 1991 में जिस समय भारत में उदारीकरण आया, बहुत से वह तकनीकी माहिर जो 1970-80 के दशक में विदेशों में जा बसे थे और जिनमें अनेकानेक अमेरिकी तकनीक कंपनियों में उच्च पदों पर थे या खुद की कंपनी स्थापित कर वेंचर कैपिटलिस्ट बन चुके थे, वह उन कंपनियों की ओर से भारत में ब्रांड एम्बेसेडर बने या उन्होंने खुद निवेश किया। यह पहल न केवल इन्फॉर्मेशन तकनीक क्षेत्र में बल्कि बायो-टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर और अन्य क्षेत्रों में भी हुई। तीन दशकों बाद, फॉर्च्यून-500 में शामिल लगभग हर बड़ी कंपनी का अनुसंधान एवं विकास विभाग भारत में है। सॉफ्टवेयर, आईटी और इंजीनियरिंग सर्विस उद्योग का कारोबार लगभग 200 बिलियन डॉलर का है। यह चलन शैक्षणिक और वैज्ञानिक अनुसंधान समेत अन्य कई क्षेत्रों में भी जारी रहा। यदि हम इस तरह के मौके अपने विश्वविद्यालयों, व्यवसाय और नए-उद्यम स्थापना में कर पाते हैं, तो न केवल अपने सर्वोत्कृष्ट दिमाग स्वदेश में ही रोक पाएंगे और विदेशी प्रतिभा को भी यहां आने के लिए आकर्षित कर सकेंगे।

मध्य एशिया से बेहतर होते रिश्ते

उत्तम कुमार सिन्हा

पांच मध्य एशियाई देशों- कजाकिस्तान, किर्गिज रिपब्लिक, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान- के विदेश मंत्रियों के साथ भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की बैठक कई मायनों में अहम है। 2018 से शुरू हुए भारत-मध्य एशिया संवाद की बैठक का यह तीसरा संस्करण है। ये सभी देश संप्रभु हैं और इनके साथ भारत के अच्छे द्विपक्षीय संबंध भी हैं, लेकिन अपनी विदेश नीति के तहत हम इस इन देशों को एक क्षेत्र-विशेष के रूप में देखते हैं। हम जानते हैं कि विदेश नीति एक निरंतरता में संचालित होती है और समय-समय पर मुद्दों को लेकर जोर में अंतर आता है। नब्बे के दशक के शुरू में सोवियत संघ के विघटन के बाद स्वतंत्र हुए इन पांच देशों से हमारे संबंध पहले से रहे हैं। उस समय की हमारी आर्थिक स्थिति और उदारीकरण की शुरुआत के कारण हम तुरंत कुछ असर नहीं डाल सके थे, पर मध्य एशिया से निकटता का अहसास हमारी विदेश नीति में हमेशा रहा है।

अतिथि विदेश मंत्रियों के साथ मुलाकात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उस अहसास को रेखांकित करते हुए मध्य एशिया को भारत का 'विस्तृत पड़ोस' कहा है। 'विस्तृत पड़ोस' में मध्य एशियाई देशों के साथ ईरान भी आता है। इनके साथ भू-राजनीति और आर्थिक संबंधों के साथ संस्कृति, इतिहास और विरासत के पहलू भी जुड़ जाते हैं। इक्कीसवीं सदी में हमारी विदेश नीति में अनेक महत्वपूर्ण आयाम जुड़े हैं। 2012 में 'मध्य एशिया कनेक्ट' की पहल हुई थी, जिसमें आवागमन बढ़ाने तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान को विस्तारित करने के साथ ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया था। इसके तहत मध्य एशिया से भारत तक पाइपलाइन बिछाने की योजना बनी थी। उस समझ के अनुसार तापी (तुर्कमेनिस्तान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान-भारत) पाइपलाइन बनाने पर सहमति बनी थी। इस पाइपलाइन पर 2015 से काम होना शुरू हुआ।

मोदी सरकार के आने के बाद हमारी विदेश नीति की अवधारणाओं में अनेक बदलाव हुए हैं। 'लुक ईस्ट पॉलिसी' को 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' बनाया गया, जिसमें दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ सहयोग बढ़ाने पर ध्यान दिया गया है। इसी प्रकार मध्य एशिया को उत्तर के साथ भारत को मजबूती से जोड़ने की प्रक्रिया का हिस्सा बनाया गया। इसका आधार यह था कि हमें पश्चिम और पूर्व की ओर ही नहीं, बल्कि उत्तर की ओर भी देखना चाहिए। अभी तक उत्तर की ओर देखने का मतलब केवल रूस की ओर देखना था। कैस्पियन सागर से लेकर चीन तक मध्य एशिया का बड़ा रणनीतिक महत्व है और भू-राजनीति में इनकी उल्लेखनीय भूमिका रहती है। संसाधनों, खासकर ऊर्जा स्रोतों के लिहाज से भी ये देश अहम हैं। प्रधानमंत्री मोदी 2015 में जब मध्य एशियाई देशों की यात्रा पर गये थे, तब उन्होंने वह दौरा मंगोलिया से शुरू किया था। फिर उन्होंने एक साथ पांच मध्य एशियाई देशों की यात्रा की थी। स्पष्ट है कि हम मध्य एशिया को देखते हैं। हालांकि उन देशों में कई मसलों पर आपसी तनातनी होती रहती है, पर वे सभी हमारे लिए समान महत्व रखते हैं। उस दौरे का एक महत्व यह भी रहा है कि मंगोलिया भी उत्तर की ओर देखने की हमारी नीति का भाग बन गया है। पारंपरिक रूप से मंगोलिया की नीति दो देशों- रूस और चीन- के आयाम से संचालित रही है। उसे हम मध्य एशिया के संपर्क के सहारे तीन देशों के आयाम में बदलना चाहते है। वर्तमान समय में अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में अफगानिस्तान की स्थितियां और उसकी स्थिरता के प्रश्न बहुत अहम है। इस बैठक में इस मामले पर विस्तार से चर्चा हुई है और यह समझ बनी है कि मध्य एशियाई देश और भारत मिलकर संबंधित चिंताओं का समाधान करने में सहयोग करेंगे। तापी परियोजना से पहले ईरान से अफगानिस्तान और पाकिस्तान के रास्ते भारत तक पाइपलाइन लाने की योजना बनी थी, जो पाकिस्तान के अड़ंगों के कारण साकार नहीं हो सकी। ईरान से पाइपलाइन लाने की परियोजना सुरक्षा चिंताओं में उलझ गयी, पर तापी परियोजना पर सकारात्मक प्रगति हो रही है क्योंकि मध्य एशिया से संपर्क बेहतर करना हमारी प्राथमिकताओं में है। चाबहार बंदरगाह भी मध्य एशिया समेत यूरेशिया से जुड़ने का एक माध्यम है, लेकिन उसकी प्रगति विभिन्न कारणों से धीमी है पर हमारे लिए यह एक महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्र है। तीन-चार वर्षों से उस क्षेत्र से जुड़ने के लिए उत्तर-दक्षिण व्यापारिक गलियारा पर भी काम चल रहा है। मुंबई से रूस के सेंट पीटर्सबर्ग तक जानेवाले इस गलियारे में भी मध्य एशियाई देशों की अहम भूमिका होगी। इस प्रकार 'मध्य एशिया कनेक्ट' प्रक्रिया में पाइपलाइन, सड़कें, बंदरगाह आदि विभिन्न माध्यमों से जुड़ाव की कोशिशें चल रही हैं। मध्य एशिया को निवेश और तकनीक की और भारत को ऊर्जा संसाधनों की आवश्यकता है। ये कोशिशें चीन द्वारा संचालित बेल्ट-रोड परियोजना के समानांतर व्यवस्था का विस्तार करने की क्षमता रखती हैं। चीन मध्य एशिया का पड़ोसी है और ये देश उसके दबाव में भी रहते हैं, लेकिन संयुक्त राष्ट्र समेत विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इन देशों का समर्थन भारत को मिलता रहा है। वे भी चीन को संतुलित करने के लिए एक भरोसेमंद देश का साथ चाहते हैं। 'विस्तृत पड़ोस' की संज्ञा देकर प्रधानमंत्री मोदी ने मध्य एशिया के महत्व को रेखांकित किया है।

ऑफिस में आये सुस्ती तो अपनायें ये टिप्स

वैसे तो ऑफिस में काम का लोड अपने आप में हमें अलर्ट रखता है लेकिन दोपहर का खाना खाने के बाद अचानक से बदन में सुस्ती आने लगती है। काफी देर तक तो शरीर काम पर दोबारा लौटने की गवाही नहीं देता। अगर मुश्किल से आप वर्क स्टेशन पर थोड़ी देर सिर नीचे करके बैठ भी जाते हैं, तो भी सुस्ती आपका पीछा नहीं छोड़ती। लगातार जम्हाई आने लगती है, पलकें झपकने लगती हैं और काम में मन नहीं लगता। बस ऐसा लगता है कि थोड़ी देर सो जाएं। लेकिन काम भी तो करना है? ऊपर से ऑफिस के दौरान अगर सुस्ती तोड़ते पाए गए, तो अलग से लेने के देने पड़ जाएंगे। अब इस दोपहर की सुस्ती को दूर करने के लिए भला क्या किया जाए? तो आपको बताते हैं कुछ आसान टिप्स जो दोपहर की सुस्ती को मात देने के लिए उपयोगी है। दरअसल, दोपहर में लंच के बाद बॉडी में भारीपन लगता है। पेट भरा होने की वजह से सुस्ती आती है। इसलिए ये जरूरी है कि खाने को पचने के लिए समय दें। अगर आप फिजिकली एक्टिव रहेंगे तो नींद अपने आप ही नहीं आएगी। इसके लिए आपको क्या करना है ये जानिए।

सूरज की रोशनी में जाएं

कई रिसर्च से पता चला है कि सूरज की रोशनी हमारे सेरोटोनिन के लेवल को बढ़ाती है, जो हमें अधिक एनर्जेटिक, शांत, पॉजिटिव और सेंट्रिक बनाती है। इसलिए अपनी डेस्क से चलकर टहलने के लिए बाहर जाएं और ताजी हवा में सांस लें। खुली हवा में एक छोटी-सी चहलकदमी भी आपके मूड में सुधार कर सकती है और क्रिएटिविटी बढ़ा सकती है।

टहलना भी है लाभदायक

दोपहर में अगर आपको काम के दौरान सुस्ती महसूस हो, तो बीच-बीच में टहल लें। कुछ एक्सपर्ट्स अपनी स्टडी में हर घंटे लगभग 15 मिनट खड़े रहने की सलाह देते हैं। उनका मानना है कि काम के बीच में थोड़ी-थोड़ी देर पर पैदल चलना या खड़े होकर काम करना, हार्ट स्पीड को बढ़ाता है, जो थकान का मुकाबला करने में अधिक शक्तिशाली होता है। तो अगली बार जब भी सुस्ती सताए, आसपास थोड़ा टहल लें।

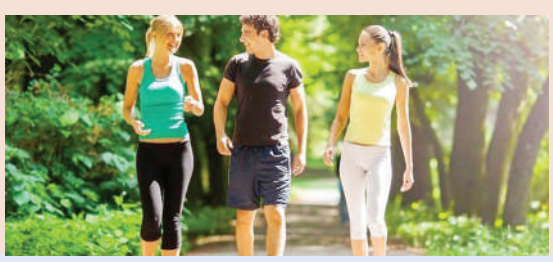

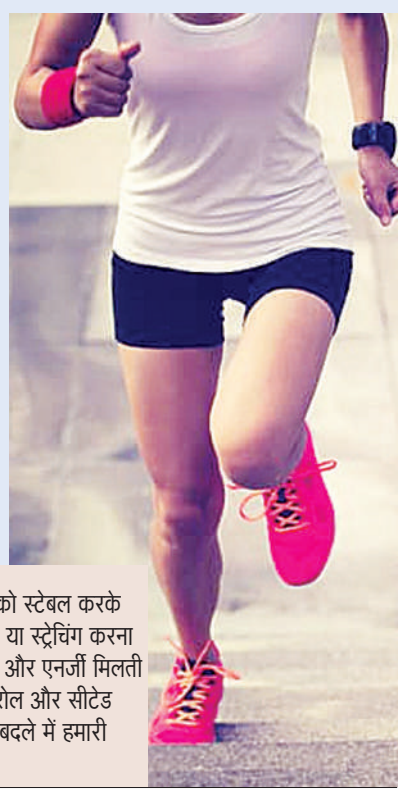

फिजिकल एक्टिविटी करें

लंच के बाद फिजिकल एक्टिविटी आपके शरीर को खाना पचाने में मदद करती है। ये ब्लड शुगर को स्टेबल करके बॉडी में कुछ ऐसे हार्मोन रिलीज करती है, जो सुस्ती या नींद कम करने में मदद करते हैं। टहलना या स्ट्रेचिंग करना दोपहर की सुस्ती को मात देने का एक इफैक्टिव तरीका है। इससे बॉडी में ब्लड फ्लो बना रहता है और एनर्जी मिलती रहती है। अगर आप बाहर नहीं जा सकते तो डेस्क पर ही स्ट्रेच जैसे फुट पंप, आर्म सर्कल, नेक रोल और सीटेड स्पाइनल ट्विस्ट कर सकते हैं। स्ट्रेचिंग हमारी मांसपेशियों को लचीला और मजबूत रखती है, जो बदले में हमारी गतिशीलता और ओवरऑल हेल्थ को बनाए रखने में हेल्प करती है।

हंसना मना है

चाचा बतोले: बच्चों, लो लड्डू खाओ... आज स्वतन्त्रता दिवस है। छछूंदर: नहीं चाचा जी, आज तो गणतंत्र दिवस है। चाचा बतोले: सो तो है बिटवा, पर आज ही के दिन हमरी सासू मां स्वर्ग सिधार गई थी तो हमरे लिए आज ही स्वतन्त्रता दिवस है।

राजू: सर मुझे कुछ याद नहीं रहता है। टीचर: अच्छा बताओ कि क्लास में तुम्हारी पिटाई कब हुई थी? राजू: सोमवार को। टीचर: यह कैसे याद रह गया? राजू: सर प्रैक्टिकल में नहीं, थ्योरी में प्रॉब्लम है।

दादी: लगता है उस लड़की को लकवा हो गया है, देख कैसे उसका एक हाथ ऊपर हो रहा है और मुंह पिचका सा हो गया है। पोता। दादी लकवा नहीं, वह सेल्फी ले रही है...

70 साल की एक बुजुर्ग महिला ने अदालत में तलाक के लिए अर्जी लगाई। जज ने बुजुर्ग महिला से पूछा: इस उम्र में तलाक क्यों लेना चाहती हैं आप? महिला- जज साहब, मेरे पति मुझ पर मानसिक अत्याचार कर रहे हैं। जज: वो कैसे? महिला: इनकी जब मर्जी होती है, मुझे खरी-खोटी सुना देते हैं और जब मैं बोलना शुरू करती हूं तो अपने कान की मशीन निकाल देते हैं।

कहानी — कितने ईमानदार

एक बार बादशाह अकबर ने पूछा, बीरबल! हमारी राजधानी में कितने ईमानदार हैं? ईमानदार अधिक हैं या बेईमान जहांपनाह, बेईमान अधिक हैं। बीरबल ने कहा। सिद्ध कर सकते हो? बिल्कुल। ठीक है। सिद्ध करो, दूसरे दिन बीरबल ने महल का हौज खाली करवा दिया और नगर में ढिंढोरा पिटवा दिया, आज रात को नगर का हर आदमी बादशाह के महल के हौज में एक-एक घड़ा दूध डाले। सुबह होते ही बीरबल अकबर को हौज के पास ले गये। हौज को देखते ही बादशाह अकबर की आंखें खुली की खुली रह गयी। वे जोर से चिल्लाये, यह क्या है? हौज में दूध के बदले पानी! मेरे हुक्म का ऐसा अनादर बादशाह अकबर गुस्से से लाल-पीले हो गये। बोले, यह कैसे हो सकता है ? बीरबल! ढिंढोरा पिटवाने में जरूर कोई भूल हुई होगी। लोग बादशाह के हुक्म का पालन न करें, ऐसा हो ही नहीं सकता। बीरबल ने शान्तिपूर्वक अकबर से कहा, हुजूर, जैसा आप सोचते हैं, नहीं हुआ है। सच बात तो यह है कि सभी ने जान-बूझ कर हौज में दूध के बदले पानी डाला है। अकबर ने कहा, मैं कैसे मान लूं कि जैसा तुम कह रहे हो, ऐसा ही हुआ होगा। हुजूर! मेरे साथ चलिए, अभी दूध का दूध और पानी का पानी हो जाता है। दोनों भेस बदलकर बाहर निकले। चलते-चलते वे एक सेठ की हवेली पर पहुंचे। सेठ ने पूछा, कौन हैं आप ? बीरबल ने कहा, राहगीर हैं भाई। थोड़ी देर रुक कर आगे चले जाएंगे। सेठ ने कहा, आइए, अंदर आ जाइए। दोनों अन्दर गये। पानी पिया, फिर आराम से बैठे। बीरबल ने कहा, सेठजी! आपके बादशाह ने अपने हौज में लोगों को एक-एक घड़ा दूध डालने का हुक्म दिया था, क्या यह बात सच है ? सेठ ने कहा, हां, सच है। बीरबल ने कहा, किसी को ऐसी बात पसन्द नहीं आती, लेकिन बेचारे क्या करते ? बादशाह का हुक्म था, इसलिए...। सेठ ने कहा, हुक्म देने वाला तो हुक्म दे देता है, पर मनुष्य में तो बुद्धि होती है न ? बीरबल ने कहा, मतलब ? सेठ ने बताया, देखिए! किसी से कहना मत! मैंने तो हौज में दूध के बजाय एक घड़ा पानी ही डाल दिया था। रात के अंधेरे में कौन देखता है कि घड़े के अन्दर क्या है। फिर नगर के सारे लोग तो दूध डालने ही वाले थे। उसमें मैंने एक घड़ा पानी डाल दिया तो क्या फर्क पड़ता है? अकबर और बीरबल सेठ से इजाजत लेकर रवाना हुए। इसी तरह वे चार-पांच जगह और गये। सभी से एक ही बात सुनने को मिली कि हौज में सभी लोग दूध डालने वाले थे, पर अंधेरे में कौन देखता है कि घड़े में दूध है या पानी, यह सोचकर हर किसी ने हौज में दूध के बजाय पानी ही डाला था। बीरबल ने कहा, हुजूर! अभी और कहीं पता लगाने जाना है क्या ? अकबर ने कहा, नहीं, नहीं, इतना ही बहुत है। तुम सच कहते हो, सभी बेईमान गलत काम में एक हो जाते हैं और खासतौर पर स्वार्थ साधने में।

शिक्षा- हमें निर्णय पर पहुंचने से पहले तथ्यों पर गौर कर लेना चाहिए। यह एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि डर हमेशा अधिकारी की आज्ञा पालन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है, अधिकारी इस बात का लाभ उठा सकते हैं। यदि उच्च अधिकारी इस बात से अनभिज्ञ है तो उसके अन्तर्गत काम करने वाले डर खो देते हैं जबकि उच्चाधिकारी अपनी अधिकारिता।

5 अंतर खोजें

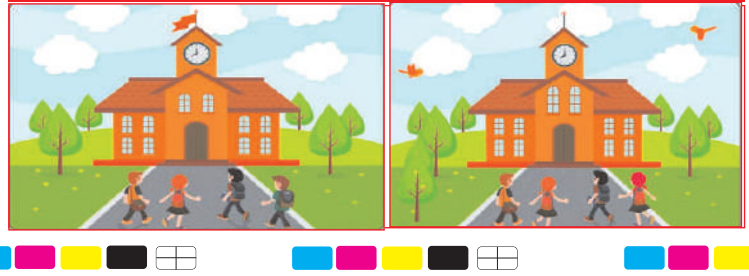

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज गुरु व राशि स्वामी मंगल गोचर रियल स्टेट के लिये अनुकूल है। आज शिक्षा में प्रत्येक कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यवसाय में लेन देन को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे। सफेद व पीला रंग शुभ है।

वृषभ

आज गृह कार्यों को विस्तार देंगे। मकान खरीदने का प्लान बनेगा। आसमानी व हरा रंग शुभ है। चन्द्रमा के द्रव्यों चावल व दही का दान करें। विष्णु जी के मंदिर जाएं व उनकी 04 परिक्रमा करें।

मिथुन

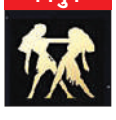

चन्द्रमा का द्वितीय व सूर्य का धनु गोचर मंगलमय है। जॉब में प्रोमोशन की योजना बना सकते हैं। बैंगनी व सफेद रंग शुभ है। स्वास्थ्य में तेज सुधार दिख रहा है।

कर्क

चन्द्रमा का इस राशि में गोचर राजनीति में सफलता की प्राप्ति का संकेत देता है। लाल व सफेद रंग शुभ है। धार्मिक कार्यों में व्यस्त हो सकते हैं। आर्थिक सुख में प्रगति से अब प्रसन्न रहेंगे।

सिंह

व्यवसाय में सूर्य के पंचम व चन्द्रमा के इस राशि से द्वादश गोचर से सफलता की प्राप्ति होगी। पॉलिटिक्स से सम्बद्ध लोग सफल रहेंगे। आज वाणी के प्रति सतर्क रहें। सफेद व हरा रंग शुभ है।

कन्या

शनि व शुक्र इस राशि से पंचम शुभ हैं। शिक्षा में सफलता से खुश रहेंगे। चन्द्रमा का एकादश व गुरु का कुम्भ गोचर पॉलिटिक्स में लाभ देगा। श्री सूक्त का पाठ करें। आसमानी व पीला रंग शुभ है।

तुला

चन्द्रमा इस राशि से दशम शुभ हैं। शिक्षा में नवीन अवसरों की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य में तनाव संभावित है। माता दुर्गा जी की पूजा करें। सफेद व हरा रंग शुभ है। उड़द का दान करें।

वृश्चिक

परिवार में किसी बात को लेकर थोड़ा तनाव हो सकता है। छात्रों को कम्प्टीशन में सफलता की प्राप्ति होगी। नीला व आसमानी रंग शुभ है। उड़द व तिल का दान करें।

धनु

आज चन्द्रमा का अष्टम तथा गुरु का तृतीय गोचर अति अनुकूल है। व्यवसाय में सफलता की प्राप्ति होगी। पीला व नारंगी रंग शुभ है। राजनीतिज्ञ लाभान्वित होंगे।

मकर

चन्द्रमा के कर्क व शुक्र शनि के इसी राशि में मार्गी होने से शुभ परिणाम देंगे। गुरु व चन्द्रमा जॉब में लाभ की स्थिति देंगे। बैंकिंग से सम्बद्ध लोग सफल रहेंगे। श्री सूक्त का पाठ करें।

कुम्भ

चन्द्रमा का कर्क गोचर व गुरु का इस राशि में होना इस राशि के जातकों को शुभ फल देगा। शनि जॉब में लाभ प्रदान कर सकते हैं। आज का दिन राजनीतिज्ञों के लिए सुखद रहेगा।

मीन

गुरु का द्वादश व शनि का एकादश गोचर जॉब में लाभ दे सकता है। गुरु बहुत ही शुभ है। चन्द्रमा व्यवसाय में कोई बड़ा लाभ दे सकते हैं। नारंगी व हरा रंग शुभ है। तिल का दान करें।

शहनाज गिल की हॉलीवुड सीरीज लूसिफर में हुई एंट्री

बॉलीवुड | मसाला

शहनाज गिल बिग बॉस का वो नाम हैं, जिसको शायद ही कोई भूला पाएंगा। बिग बॉस 13 से सिर्फ पंजाब ही नहीं पूरा हिंदुस्तान शहनाज को जानता है। सिद्धार्थ शुक्ला के निधन के बाद उन्हें खुद को संभालने में लंबा वक्त लगा, लेकिन अब वह सिड का यादों के साथ अपनी नॉर्मल जिंदगी में आगे बढ़ रही हैं। शहनाज सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अक्सर वीडियोज और तस्वीरों को शेयर करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने एक पोस्ट शेयर कर फैंस को शॉक्ड कर दिया।

टॉम एलिस के साथ नजर आएंगी शहनाज!

शहनाज गिल ने हॉलीवुड वेब शो 'लूसिफर' का पोस्टर शेयर किया है। पोस्टर में शहनाज के साथ शो के लीड एक्टर टॉम एलिस नजर आ रहे हैं। तस्वीर में टॉम और शहनाज की जोड़ी एकदम परफेक्ट लग रही है, इसको देखने के बाद ये कहना मुश्किल हो रहा है कि ये फोटोशॉप्ड है या ओरजिनल।

सोशल मीडिया पर शेयर किया पोस्टर

पोस्टर शहनाज ने ट्विटर और इंस्टाग्राम दोनों पर शेयर किया है। पोस्टर को शेयर करते हुए शहनाज ने लिखा है- 'असली बिग बॉस तो यहां है। पोस्टर में लिखा भी है ' ।द्वद्यद्य को नया हाउसमेट मिल गया है।'

सोशल मीडिया पर मिल रही है बधाई

शहनाज के इस पोस्ट के बाद से फैंस कन्फ्यूज्ड हैं। उन्हें समझ नहीं आज रहा कि ये हॉलीवुड में शहनाज का एंट्री है या वह बिग बॉस का प्रमोशन कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- 'सीरीज का प्रमोशन है' तो किसी ने लिखा 'मुझे लगता है डबिंग किया है।' वहीं इंस्टाग्राम पर लोग उन्होंने खूब बधाइयां दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- 'शाइनिंग स्टार'। एक अन्य ने लिखा- 'कहा था न कुछ धमाका होगा'। पोस्टर को देख फैंस एक्साइटेड हो रहे हैं। शहनाज गिल सिद्धार्थ शुक्ला के बेहद प्यार करती थीं। सिद्धार्थ शुक्ला के अचानक निधन के बाद एक्ट्रेस सदमे में थीं। सिद्धार्थ के अंतिम संस्कार की जो तस्वीरें सामने आई थीं, उन तस्वीरों ने लोगों को रुला दिया था। सिद्धार्थ की यादों के साथ उन्होंने फिर वापसी की। 15 अक्टूबर को उनकी फिल्म 'हौसला रख' रिलीज हुई है, जिसको दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला।

बॉलीवुड | एंटरटेनमेंट

रणवीर सिंह की 83 दिल्ली में टैक्स फ्री

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म '83' को मेकर्स ने बड़ा ऐलान किया है। मेकर्स का कहना है कि फिल्म दिल्ली में टैक्स फ्री हो गई है। दिल्ली सरकार ने भी फिल्म के टैक्स फ्री होने का ऐलान किया। फिल्म के टैक्स फ्री होने से ऑडियंस को थोड़ी राहत मिलेगी और ज्यादा से ज्यादा संख्या में सिनेमाघरों का रुख करेगी। फिल्म भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर कपिल देव और साल 1983 के क्रिकेट वर्ल्डकप में हुई भारत की जीत पर आधारित है। फिल्म '83' में रणवीर सिंह दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव का किरदार निभा रहे हैं जबकि दीपिका पादुकोण उनकी पत्नी रोमी देव बनी हैं। फिल्म को रिलायंस एंटरटेनमेंट और फैंटम फिल्म्स ने प्रिजेंट किया है। यह 24 दिसंबर को हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में देश के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हालांकि फिल्म रिलीज से पहले बॉलीवुड सेलेब्स और फिल्म क्रिटिक्स के लिए इसका प्रीमियर हो चुका है। ट्रेड एनालिस्ट्स तरण आदर्श ने फिल्म 4 स्टार्स दिए हैं। जबकि सुनील शेट्टी ने फिल्म का प्रीमियर देखने के बाद अपनी खुशी और एक्साइटमेंट दिखाई। उन्होंने रणवीर सिंह की एक्टिंग की तारीफ की। सुनील शेट्टी ने ट्वीट कर लिखा था,83 देखने गया था, लेकिन कहीं भी रणवीर सिंह को नहीं देखा। उनका पता ही नहीं चल सका। पर्दे पर सिर्फ कपिल देव थे। अविश्वसनीय परिवर्तन। मैं हैरान हूं। एक टीम कास्ट जो लॉर्ड्स से बाहर निकल सकती थी। '83 देखकर हैरान हूं। कलात्मकता और भावनाएं देखकर अभी भी हिला हुआ हूं और मेरी आंखों में आंसू हैं। रणवीर सिंह ने कपिल देव जैसे गेंदबाजी-बल्लेबाजी के एक्शन को कॉपी करने के लिए जमकर मेहनत की है। कपिल देव के फेमस नटराज एक्शन में रणवीर सिंह को बल्लेबाजी करते हुए देखने का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

विवादों में सनी देओल की गदर 2

बॉलीवुड | मसाला

सनी देओल और अभिनेत्री अमीषा पटेल ने आने वाली फिल्म 'गदर 2 ' की शूटिंग शुरू कर दी है। इन दिनों फिल्म की शूटिंग हिमाचल प्रदेश में चल रही है। पालमपुर के पास स्थित भलेड गांव में फिल्म के कुछ जरूरी सीन फिल्माए जा रहे थे, लेकिन अब सनी देओल-अमीषा पटेल की 'गदर 2' एक विवाद में फंस गई है। दरअसल, मेकर्स ने शूटिंग के लिए जो प्रॉपर्टी किराए पर ली थी, उसके मालिक ने एक विवाद खड़ा कर दिया है। करीब 10 दिनों तक चली शूटिंग के बाद ही प्रॉपर्टी के मालिक ने मेकर्स पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया है और मेकर्स को लाखों का बिल भी थमा दिया है। प्रॉपर्टी के मालिक के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग के लिए मेकर्स से जो उनकी बात हुई थी, उसके अनुसार 3 कमरे और 1 हॉल में ही शूटिंग की जानी थी, जिसका किराया 11 हजार रुपये तय किया गया था। लेकिन, अब मेकर्स ने फिल्म के लिए पूरा घर ही बिजी कर लिया है। इस घर के अलावा मेकर्स ने 2 कनाल जमीन और प्रॉपर्टी मालिक के बड़े भाई के घर को भी इस्तेमाल में ले लिया है। जिसके चलते मकान मालिक और उनके परिवार को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस पूरे वाकये के बाद जब प्रॉपर्टी के मालिक ने इसके लिए मेकर्स को 56 लाख का बिल थमाया, जिसे लेकर विवाद हो गया है।

गजब, चोर ने रातों-रात चुरा लिया 58 फीट लंबा ब्रिज

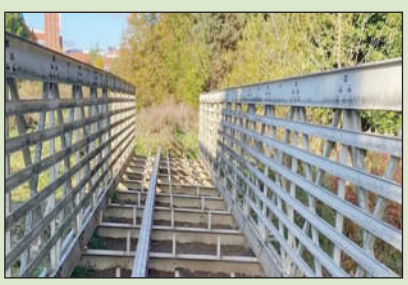

आज तक आपने कई तरह की चोरियों के किस्से सुने होंगे। कोई चोर भेष बदल कर सोना-चांदी चुरा लेता है। कुछ लोगों को उल्लू बनाकर अपना काम निकाल लेते है तो कुछ चोरी-छुपकर सेंध लगाकर। लेकिन बीते दिनों अमेरिका के ओहियो शहर में जो चोरी हुई, उसने सबको हैरान कर दिया। यहां चोरों ने रातों-रात पूरा का पूरा ब्रिज ही चुरा लिया। जब सुबह लोग उठे और उन्होंने सड़क देखी तो दंग रह गए। वहां ब्रिज था ही नहीं। उसे चुरा लिया गया था। इस अजीबोगरीब चोरी के बारे में जिसने भी सुना दंग रह गया। किसी को अपने कानों पर यकीन नहीं हुआ। हर कोई यही सोचता रह गया कि आखिर कोई ब्रिज कैसे चुरा सकता है? अगर ये चोरी हुई भी तो किसी ने इसे देखा कैसे नहीं? क्या ब्रिज की चोरी करते हुए आवाज नहीं हुई? इन सभी सवालों के बीच इस चोरी को पुलिस ने सुलझा भी लिया। इस चोरी के बाद अमेरिकी प्रशासन भी हैरान रह गई। जानकारी के मुताबिक चोरों ने ईस्ट अक्रोन के नहर के ऊपर बना ब्रिज चुरा लिया। इस वृज का इस्तेमाल लोग नहर को क्रॉस करने के लिए करते थे। अभी ये ब्रिज डैमेज हो गया था इसलिए लोग इसका इस्तेमाल नहीं कर रहे थे। चोरों ने इसी बात का फायदा उठाया और पूरी की पूरी ब्रिज ले उड़े। इस ब्रिज की कीमत करीब तीस लाख थी। सुबह जब लोगों ने ब्रिज को नदारद देखा तो तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी गई। मामला पिछले महीने 3 नवंबर का है और लोगों की नजर में ये चोरी 11 नवंबर को आई थी। अब एक महीने के अंदर इस केस को सुलझा दिया गया है। पुलिस ने मामले को सुलझाने में बड़ी फुर्ती दिखाई। फिंगरप्रिंट्स और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ब्रिज चुराने वाले को अरेस्ट कर लिया गया। 63 वर्षीय इस शख्स ने अपना जुर्म भी स्वीकार कर लिया और पुलिस को ब्रिज का पता भी बता दिया। उसने पुलिस को बताया कि एक ट्रकिंग कंपनी को पैसे देकर उसने ब्रिज उठवा लिया था।

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे अनोखा गांव

कभी इस गांव में रहते थे 200 लोग अब सिर्फ बचा है एक आदमी

दुनिया में तमाम अद्भुत और अनोखी चीजें और स्थान हैं। जिनके बारे में हर कोई नहीं जानता। आज हम आपको ऐसे ही एक अद्भुत स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसके बारे में शायद ही आपने कभी सुना हो। क्योंकि ये स्थान एक गांव है जहां कुछ साल पहले तब 200 लोग रहते थे लेकिन अब इस गांव में सिर्फ एक इंसान बचा है और वह अकेला ही यहां रह रहा है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं रूस की सीमा पर बसे डोबरुसा गांव की। जहां आज से करीब 30 साल पहले 200 लोग रहते थे, लेकिन आज के समय में इस गांव में महज एक व्यक्ति रहता है।

दरअसल, रूस पहले सोवियत संघ का हिस्सा होता था। जो कई देशों के मिलने से बना था। लेकिन जब सोवियत संघ टूटा और रूस समेत कई देश अस्तित्व में आए। उसके बाद इस गांव के लोग आस-पास के शहरों या अन्य दूसरे जगहों पर बसने के लिए चले गए। बाकी जो लोग बचे वह बूढ़े हो गए और कुछ ही सालों में उनका निधन हो गया। इन सब के बावजूद भी साल 2020 के शुरुआत में यहां तीन लोग बच गए थे। डोबरुसा गांव में बचे तीन लोगों में से एक दंपत्ति जेना और लिडा की बीते फरवरी में हत्या हो गई। इसके बाद से ही इस गांव में सिर्फ एक व्यक्ति गरीसा मुनटेन बचा है। भले ही गरीसा मुनटेन के साथ कोई नहीं रहता है, लेकिन ये गांव में अकेले नहीं हैं। इनके साथ बहुत से जीव रहते हैं। गरीसा 5 कुत्ते, 9 टर्की पक्षी, 2 बिल्लियां 42 मुर्गियां, 120 बत्तखें, 50 कबूतर और कई हजार मधुमक्खियां के साथ अपना जीवन बिता रहे हैं। गरीसा मुनटेन ने इस बारे में बताया, उनके गांव के करीब 50 घर थे, लेकिन अब अधिकतर लोग सोवियत संघ के टूटने के बाद नजदीकी शहर मालडोवा, रुस या फिर यूरोप में जाकर बस चुके हैं। गरीसा इस बात को मानते हैं कि अकेले रहने के वजह से कई तरह की परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है। हालांकि, अपना अकेलापन दूर करने के लिए गरीसा ने एक अनोखा तरीका अपनाया है। गरीसा मुनटेन बताते हैं, खेतों में काम करने के दौरान वह पेड़ों से, पक्षियों से, जानवरों से ही बातें करते रहते हैं।

देवरिया : भीषण सड़क हादसे में तीन महिलाओं की मौत, दो घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र में ट्रैक्टर-ट्राली और बोलेरो में टक्कर

» सीएचसी जा रहे थे बोलेरो सवार, घायलों का चल रहा इलाज

देवरिया। जनपद के सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र के भगड़ा भवानी मंदिर के पास बुधवार की देर रात ट्रैक्टर-ट्राली और बोलेरो की टक्कर हो गई। इस दर्दनाक हादसे में एक गर्भवती सहित तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो लोग घायल हो गए। घटना के बाद करीब एक घंटे तक यातायात बाधित रहा। मौके पर पहुंची पुलिस ने वाहनों को हटाया और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र के मझौली राज कस्बा के नोनिया टोला निवासी प्रसूता सुहाना (32 वर्ष) पत्नी अलाउद्दीन रात में करीब 12 बजे बोलेरो से सबीना पत्नी पप्पू, सोनी पत्नी राजू और रेहाना सीएचसी सलेमपुर जा रहे थे। इसी दौरान सलेमपुर मैरवा मार्ग पर भगड़ा भवानी मंदिर के पास सड़क पर बने ब्रेकर पर बोलेरो उछलकर सामने से आ रही गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्राली से भिड़ गई। हादसे में अलाउद्दीन और रेहाना को छोड़कर तीनों महिलाओं की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

घायलों की चीख सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और वाहन में फंसे सभी को निकालने में जुट गए। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर कोतवाल नवीन मिश्रा पहुंचे। उन्होंने सभी को आनन-फानन में सलेमपुर सरकारी अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने सबिना, सोनी और सुहाना को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद बोलेरो और ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गए। हादसे में वाहन के परखच्चे उड़ गए एक घंटे से अधिक समय तक सलेमपुर मैरवा मार्ग पर आवागमन ठप रहा।

फंदे से लटका मिला युवक का शव, सनसनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, पुलिस कर रही जांच

आगरा। खंदौली क्षेत्र की निर्माणाधीन कालोनी में आज एक ट्रक चालक का शव पेड़ पर फंदे से लटका मिला। उसके दोनों हाथ रस्सी से बंधे थे। स्वजन हत्या की आशंका जता रहे हैं।

खंदौली के नादऊ निवासी 37 वर्षीय भरत सिंह ट्रक चालक था। चार दिन पहले वह गांव में आया था। तब से ट्रक पर नहीं गया था। बुधवार रात को खाना खाने के बाद टहलने को घर से निकला था। उसने मां से कहा था कि थोड़ी देर में आ रहा है। इसके बाद वापस नहीं आया। देर रात तक वह घर नहीं पहुंचा तो स्वजन ने रात में तलाश की। मगर, उसका कोई सुराग नहीं मिला। आज तड़के घर से दो सौ मीटर दूर स्थित निर्माणाधीन कॉलोनी में एक पेड़ से उसका शव फंदे से लटका हुआ था। जानकारी होते ही स्वजन भी वहां पहुंच गए। उन्होंने पुलिस को बुला लिया। युवक के दोनों हाथ आगे की ओर रस्सी से बंधे हुए थे और गले में रस्सी का फंदा कसा था। स्वजन का कहना है कि भरत की हत्या की गई है। अपने हाथ बांधकर वह खुदकुशी कैसे कर सकता था। उसके जूते भी पास में उतरे मिले हैं। जिस स्थान पर उसका शव पेड़ से लटका मिला है, उसके आसपास लाल मिट्टी है। अगर वह वहां चलकर पहुंचा होता तो पैरों से लाल मिट्टी लगी होती, लेकिन ऐसा नहीं है। एसओ खंदौली अवधेश गौतम का कहना है कि मामले में सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। स्वजन जो तहरीर देंगे, उस पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

पंजाब में अब बिना टीकाकरण कर्मचारियों को नहीं मिलेगा वेतन

चंडीगढ़ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। पंजाब सरकार ने कोरोना टीकाकरण को लेकर सख्त आदेश जारी किया है। सरकार ने कहा कि अब सरकारी कर्मचारियों को बिना टीकाकरण प्रमाण पत्र के वेतन नहीं दिया जाएगा। पंजाब में 35 लाख लोग ऐसे हैं, जिन्होंने तय तारीख निकल जाने के बावजूद अभी तक कोविड की दूसरी डोज नहीं लगवाई है। इस तरह के लोगों को ही खास तौर से कवर करने के लिए सरकार की ओर से जोर-शोर से शुरू की गई घर-घर दस्तक मुहिम ठप पड़ गई है। इससे दूसरी डोज के लिए आगे न आने वाले लोगों की लगातार संख्या बढ़ती जा रही है। आंकड़ों के मुताबिक पंजाब में दो करोड़ छह लाख के करीब आबादी 18 साल के आयुवर्ग से ज्यादा की है, जो कोविड वैक्सीनेशन के योग्य है। स्टेट टीकाकरण अधिकारी डॉ. बलविंदर कौर के मुताबिक इसमें से 81 फीसदी आबादी को सेहत विभाग ने कवर कर लिया गया है। 85 लाख से ज्यादा लोगों को कोविड वैक्सीनेशन की दोनों डोज लगने के बाद पूरी तरह से वैक्सीनेट हो चुके हैं। करीब 35 लाख लोग ऐसे हैं, जिनकी तय तारीख निकल गई है। फिर भी वह कोविड वैक्सीनेशन की दूसरी डोज के लिए आगे नहीं आ रहे हैं। पटियाला जिले में करीब डेढ़ लाख ने दूसरी डोज नहीं लगवाई है। गौरतलब है कि को वैक्सीन की दूसरी डोज 28 तो कोवीशील्ड की 84 दिनों बाद लगती है।

हिमाचल कांग्रेस संगठन में बदलाव की मांग को लेकर दिल्ली पहुंचे विधायक

शिमला (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के संगठन में बदलाव की मांग को लेकर 10 विधायकों ने दिल्ली में डेरा डाल दिया है। सुखविंद्र सिंह सुक्खू के पक्ष में मिले इन विधायकों ने कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रभारी राजीव शुक्ला से मुलाकात कर प्रदेश की राजनीति गरमा दी है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुखविंद्र सिंह सुक्खू के दिल्ली में हुए इस शक्ति प्रदर्शन से पार्टी के दूसरे धड़े के नेताओं की धड़कने तेज हो गई हैं। सूत्रों ने बताया कि पार्टी प्रभारी राजीव शुक्ला से मुलाकात में विधायकों ने विधान सभा चुनावों से पहले संगठन में बड़े बदलाव करने की वकालत की। विधायकों ने जल्द से जल्द संगठन को मजबूत करने के लिए बदलाव करने की मांग उठाते हुए सुक्खू को नेता विपक्ष या प्रदेश अध्यक्ष बनाने की पैरवी की। जुब्बल-कोटखाई से रोहित ठाकुर, अर्की से संजय अवस्थी समेत कांगड़ा, शिमला, सोलन और कुल्लू जिला से कई विधायक राजीव शुक्ला से मिले। सुक्खू गुट के इन विधायकों की कदमताल से प्रदेश में कांग्रेस की राजनीति में उबाल आ गया है। दूसरे धड़ों के विधायक और नेता भी ये जानने में जुटे रहे कि कौन-कौन विधायक राजीव शुक्ला से मिले हैं। बीते दिनों में दिल्ली में ऑपरेशन करवाने के बाद से सुक्खू वहीं स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

तो राम के नाम पर जारी है अयोध्या में जमीन की लूट

» आस्था नहीं सियासी महत्वाकांक्षा के लिए मंदिर को बनाया गया था मुद्दा

» जमीनों की धांधली पर 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धों ने उठाए कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राम मंदिर निर्माण के नाम पर जमीनों की लूट मची है। भाजपा नेता-विधायक समेत अफसर और उनके रिश्तेदार जमीनों की लूट कर रहे हैं। द इंडियन एक्सप्रेस ने इसका खुलासा किया है। इस मुद्दे पर कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार एनके सिंह, विनीत नारायण, सतीश के सिंह, अशोक वानखेड़े, आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

विनीत नारायण ने कहा, मंदिर निर्माण को लेकर भाजपा, संघ और विश्व हिंदू परिषद की भावना आस्था नहीं बल्कि सियासी महत्वाकांक्षा की थी। आंदोलन से जुड़े तमाम लोगों को भुला दिया गया। जमीन खरीदने वालों से अधिक दोषी इसके जरिए सियासी सीढ़ी चढ़ने वाले लोग हैं।

प्रियंका कक्कड़ ने कहा, मंदिर निर्माण के नाम पर जमकर धांधली की जा रही है। प्रदेश में भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। आप इस मामले को लगातार उठाती रहेगी। सतीश के सिंह ने कहा, योगी सरकार के लिए यह सबसे खराब स्थिति है। चुनाव के समय जब मोदी भाजपा को जिताने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं, ऐसे समय भ्रष्टाचार का खुलासा भाजपा के लिए नुकसानदेह होगा। अशोक वानखेड़े ने कहा, जब भी कोई नया प्रोजेक्ट आता है अधिकारी और नेता जमीन ले लेते हैं। आर्थिक भ्रष्टाचार में ट्रस्ट का नाम भी है। मुख्यमंत्री को भ्रष्टाचार की चिंता नहीं है। एन के सिंह ने कहा, यहां राम भी बिकते हैं। दो बीघा जमीन वाला एक दलित 21 बीघा जमीन खरीदता है और बाद में वह उस ट्रस्ट को जमीन दान कर देता है जहां वह कर्मचारी होता है। इसको नेता और अफसर खरीदते हैं। दरअसल भ्रष्टाचार अब आम हो चुका है। लोग समझते हैं कि उनका कोई कुछ बिगाड़ नहीं सकता है।

नीतीश के समाज सुधार अभियान पर बोले तेजस्वी

पहले मंत्रियों-अफसरों को सुधारें

» राज्य में सिर्फ बेरोजगारी और पलायन, हर क्षेत्र में पिछड़ा है बिहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को समाज सुधार अभियान यात्रा की शुरुआत की है। शराबबंदी, दहेज मुक्त समाज और बाल विवाह रोकने जैसे सामाजिक अभियान को लेकर वे बिहार में निकल पड़े हैं। वहीं बिहार विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव इसे लेकर नीतीश कुमार पर हमलावर हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री पहले अपने सरकार के मंत्रियों और अधिकारियों को सुधारें, समाज खुद सुधर जाएगा।

नीतीश कुमार समाज सुधार अभियान के पहले दिन पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी में शराबबंदी के समर्थन में लोगों को एकजुट और जागरूक कर रहे थे तो वहीं पटना में तेजस्वी यादव सीएम नीतीश को बिहार के विकास की हकीकत बताते दिखे।

तेजस्वी ने तंज कसा कि बिहार में प्रशासनिक अराजकता है, सीएजी में कई घोटाले उजागर हुए हैं। बिहार में जज को पुलिस पीट रही है और पुलिस को पब्लिक पीट रही है। नीति आयोग के हर सूचकांक में बिहार पिछड़ा है। राज्य में सिर्फ बेरोजगारी और पलायन है। तेजस्वी ने कहा कि नीतीश कुमार ने पहले भी समीक्षा बैठक की है लेकिन उसके बाद भी विधान सभा में शराब की कई खाली बोतलें मिली। पहले मुख्यमंत्री अपनी सरकार को सुधारें, मंत्रियों और अधिकारियों को सुधारें। समाज सुधार अभियान सिर्फ नौटंकी और दिखावा है। तेजस्वी ने कहा कि पटना में आयोजित सीएम के जनता दरबार में पहले अपॉइंटमेंट लेना होता है और स्क्रूटनी होती है, तब लोग मुख्यमंत्री तक पहुंच पाते हैं। इसके पहले भी नीतीश कुमार ने यात्रा की है, क्या सुधर गया बिहार में। देश में लड़कियों की शादी की उम्र को 18 वर्ष से बढ़ाकर 21 वर्ष करने पर तेजस्वी यादव ने कहा कि लोग 18 साल में एडल्ट (व्यस्क) हो जाते है। शादी की उम्र 18 से 21 कर दें, 22 कर दें, इस पर मेरी कोई आपत्ति नहीं है।

यूपी टीईटी की परीक्षा अब 23 जनवरी को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता की पुनर्परीक्षा (यूपीटीईटी) अब 23 जनवरी को होगी और परीक्षा का परिणाम 25 फरवरी को घोषित किया जाएगा। 28 नवंबर की परीक्षा पेपर लीक होने से सरकार ने रद कर दी थी।

प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर केंद्र बनाए जा रहे हैं, इम्तिहान में 21 लाख 65 हजार से अधिक परीक्षार्थी दोनों पालियों में शामिल होंगे। शासन ने यूपीटीईटी की समय सारिणी जारी कर दी है। सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी को निर्देश दिया गया है कि वे परीक्षा केंद्रों का निर्धारण तेजी से कराएं, परीक्षार्थियों की संख्या को देखते हुए लगभग ढाई हजार केंद्र बनने की उम्मीद है। 27 दिसंबर तक केंद्रों की सूची एनआईसी को भेजी जाएगी। 12 जनवरी को प्रवेशपत्र वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे। इम्तिहान के बाद 27 जनवरी को वेबसाइट पर प्रश्नपत्र की उत्तरमाला जारी होगी। एक फरवरी तक आपत्तियां ली जाएंगी। परीक्षा का परिणाम 25 फरवरी को जारी होगा।

तीन दिन किसी भी कार्यक्रम में भाग नहीं लेंगे अखिलेश

» पत्नी और बेटी के संक्रमित होने के बाद इगलास रैली में नहीं जाने का लिया फैसला

» सपा प्रमुख बोले- जो दल जहां मजबूत हैं वह वहां जीत दिलाने के लिए काम करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव इगलास रैली में आज भाग नहीं लेंगे। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि वे परिवार को समय देना चाहते हैं। क्योंकि डिंपल यादव व उनकी बेटी के संक्रमित होने के बाद वे कोई खतरा मोल नहीं लेना चाहते। इसी कड़ी में उन्होंने तीन दिन तक किसी भी कार्यक्रम में भाग नहीं लेने की बात कही है।

अखिलेश ने सभी कार्यकर्ताओं से पूरी ऊर्जा के साथ सक्रिय रहने की अपील की है। साथ ही सपा और रालोद की संयुक्त इगलास रैली के लिए सफलता की शुभकामनाएं भी दी है। वहीं इससे पहले प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने एक बार फिर भाजपा और मोदी सरकार पर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने कहा भाजपा को यूपी में हार का डर सता रहा है। इसलिए ईडी ने ऐश्वर्या राय बच्चन से पूछताछ की है। दरअसल, हाल ही में ईडी ने पनामा पेपर लीक मामले में ऐश्वर्या बच्चन से करीब 7 घंटे पूछताछ की थी। अखिलेश यादव ने कहा, जया बच्चन ने जो कहा है वो पूरी तरह से सही हैं। ऐश्वर्या से पूछताछ का यूपी चुनाव से कनेक्शन है। अखिलेश ने कहा, बदनाम करने के लिए सरकार ये जांच करा रही है। उन्होंने पूछा कि आखिर चुनाव से पहले ही ये जांच क्यों हो रही है।

अखिलेश की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई है। उनकी पत्नी डिंपल और बेटी के संक्रमित पाए जाने से उनके भी वायरस की चपेट में आने का संदेह था। इधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव और उनकी बेटी के कोरोना पॉजिटिव आने की जानकारी होने पर फोन करके उनका हालचाल लिया और दोनों के स्वास्थ लाभ की कामना की। साथ ही मुख्यमंत्री ने अखिलेश यादव से भी उनकी सेहत की जानकारी ली। डिंपल ने ट्वीट किया कि मैं पॉजिटिव हूं, अपनी और दूसरों की सुरक्षा की दृष्टि से मैंने खुद को अलग कर लिया है।

चौधरी चरण सिंह की जयंती पर साथ दिखे टिकैत-जयंत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज देश के पूर्व प्रधानमंत्री और किसान नेता चौधरी चरण सिंह की जन्म जयंती है। इस दिन यूपी में कई खास कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। ऐसा ही एक कार्यक्रम आरएलडी नेता जयंत चौधरी ने भी रखा है। उनकी तरफ से किसान घाट पर चौधरी चरण सिंह के सम्मान में हवन का आयोजन किया गया है। उस हवन का हिस्सा किसान नेता राकेश टिकैत भी बने हैं। जो तस्वीरें सामने आई हैं उसमें दोनों टिकैत और जयंत चौधरी साथ में पूजा-अर्चना कर रहे हैं।

इस हवन में पार्टी कार्यकर्ता से लेकर कई दूसरे किसान संगठन के लोग शामिल हुए हैं। अब इन तस्वीरों का इस अंदाज में सामने आना इसलिए मायने रखता है क्योंकि अभी राकेश टिकैत के यूपी चुनाव लड़ने पर सस्पेंस बरकरार है। उनकी तरफ से कुछ भी स्पष्ट तो नहीं किया गया है, लेकिन अटकलें लगातार जारी हैं। कुछ समय पहले टिकैत का अखिलेश यादव और जयंत चौधरी संग एक पोस्टर भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। उसके बाद सपा प्रमुख ने भी कह दिया था कि अगर टिकैत चुनाव लड़ना चाहे, तो वे इसका दिल खोलकर स्वागत करेंगे। वैसे राकेश टिकैत चुनाव लड़ेंगे या नहीं, इस पर जरूर सस्पेंस है, लेकिन किसान नेता की तरफ से ये साफ कर दिया गया है कि किसानों का वोट उसी पार्टी को जाएगा जो उनके हितों की रक्षा करेगा। उनके मुताबिक सभी पार्टियां पहले अपना घोषणापत्र सामने रखें, फिर उसी आधार पर किसान वोट करेगा।

लखनऊ में भी श्रद्धांजलि

किसानों के लिए जीवनभर संघर्ष करने वाले किसानों के मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर विधानसभा स्थिति चौधरी साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि व पार्टी मुख्यालय पर हवन कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर चौधरी साहब को राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय सचिव अनिल दुबे, रोहित अग्रवाल, अनुपम मिश्रा सहित पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

योगी सरकार का सबसे बड़ा गुंडा है लखीमपुर का कलेक्टर: बघेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» भाजपा सरकार पर जमकर बरसे छत्तीसगढ़ के सीएम

लखनऊ। लखीमपुर में कांग्रेस की प्रतिज्ञा रैली में पहुंचे छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार लोगों का शोषण कर रही है। भाजपा सरकार में महंगाई बढ़ गई, किसानों की हत्याएं हो रही हैं। उन्होंने कहा, 2022 में कांग्रेस की सरकार आई तो छत्तीसगढ़ की तर्ज पर यूपी का विकास किया जाएगा।

उन्होंने कहा, लखीमपुर का कलेक्टर कहता है कि यहां जनसभा नहीं कर सकते। आप लखीमपुर की घटना और किसानों का उल्लेख नहीं कर सकते। अजय मिश्र टेनी पर बसते हुए बघेल बोले, जिन्होंने सीने पर गाड़ियां चढ़ा दी और जान ले ली उस मंत्री के बेटे के बारे में बात करने के लिए कलेक्टर ने मना किया। इस पर बघेल ने लखीमपुर के कलेक्टर को गुंडा बताते हुए भाजपा सरकार का घेराव किया। उन्होंने कहा, योगी जी सबसे बड़ा गुंडा आपने कलेक्टर को बना कर रखा है, जो आदेश जारी करता है कि यहां बात नहीं कर सकता। उन्होंने सवाल किया क्या तानाशाही चल रही है, गुंडागर्दी चल रही है, आपने इमरजेंसी लगा रखी है, किसानों के परिवार वालों से बात नहीं कर सकते। बघेल ने चेतावनी देते हुए कहा, आप में जो ताकत हो कर लीजिए, हमने तो किसानों की बात कर दी है।

मथुरा में आप ने घोषित किए प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियों के बीच आम आदमी पार्टी ने तीन विधानसभा क्षेत्रों में अपने संभावित प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। प्रत्याशी घोषित होने के बाद संभावित आप प्रत्याशियों ने अपना जनसंपर्क अभियान शुरू कर दिया है।

2022 का चुनाव नजदीक आते ही अब राजनीतिक पार्टी भी पूरे दमखम के साथ मैदान में उतर कर जनता को रिझाने के लिए तैयार हो गई हैं। दिल्ली में सरकार चला रही आम आदमी पार्टी ने भी मथुरा से अपने तीन विधानसभा के संभावित प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की है । इसमें मांट विधान सभा से किसान नेता रामबाबू कटैलिया, छाता विधानसभा से प्रहलाद चौधरी के बाद अब मथुरा वृन्दावन सीट से कृष्ण कुमार शर्मा को प्रत्याशी बनाया है। प्रत्याशी घोषित होने के बाद कृष्ण कुमार ने बताया कि प्रदेश में आप की सरकार बनती है तो यहां दिल्ली मॉडल को अपनाते हुए विकास कराया जाएगा।

लुधियाना कोर्ट में धमाका, दो की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

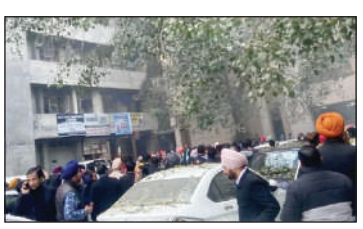

नई दिल्ली। दिल्ली के बाद अब पंजाब में लुधियाना के कोर्ट परिसर में ब्लास्ट होने की खबर है। इसमें दो शख्स की मौत हो गई है वहीं चार लोग जख्मी है। धमाके की आवाज सुनकर लोग सकते में आ गए थे। वहां हर तरफ अफरा तफरी मच गई। किसी को समझ नहीं आ रहा था कि आखिर धमाका कैसे हुआ।

फिलहाल वहां पुलिस मौके पर पहुंच गई है। ब्लास्ट परिसर के दूसरे फ्लोर पर हुआ है। धमाका किस चीज का था यह अभी साफ नहीं है। मिली जानकारी के मुताबिक, यह ब्लास्ट लुधियाना कोर्ट की कॉपी ब्रांच में हुआ। फिलहाल कोर्ट में वकीलों की हड़ताल चल रही है, इसलिए कोर्ट में ज्यादा भीड़ नहीं थी। जबरदस्त धमाके ने छह मंजिला इमारत को हिला कर रख दिया था। अभी तक यह साफ नहीं हुआ है कि यह धमाका कोई बम ब्लास्ट है या सिलेंडर फटा है। विस्फोट इतना जोरदार था कि बिल्डिंग के सभी शीशे टूटकर बिखर गए। छत पर चारों ओर खून के छींटें बिखरे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। धमाके से इमारत को काफी नुकसान हुआ है। इमारत के काफी हिस्से टूटकर नीचे गिर गए हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।